5. मुहावरे

अभ्यास-कार्य

1. निम्नलिखित मुहावरों का सही अर्थ चुनकर लिखिए।

(क) अंधे के हाथ बटेर लगना–

(*i*) बिना प्रयास के सफल होना
(*ii*) शिकारी को शिकार मिलना
(*iii*) अयोग्य व्यक्ति को अनायास कोई वस्तु मिलना
(*iv*) लाटरी खुलना

(ख) आग ठंडी पड़ना–

(*i*) काम समाप्त हो जाना
(*ii*) क्रोधित होना
(*iii*) इच्छित वस्तु मिल जाना
(*iv*) क्रोध शांत होना

(ग) ईंट से ईंट बजाना–

(*i*) सर्वनाश कर देना
(*ii*) बदले की भावना उठना
(*iii*) ईंट की गुणवत्ता परखना
(*iv*) शोर करना

(घ) ओखली में सिर देना–

(*i*) जानबूझ कर विपत्ति में पड़ना
(*ii*) संकट में पड़ना
(*iii*) कर्मकाण्ड करना
(*iv*) कलेजा पक्का करना

(ङ) मारा-मारा फिरना–

(*i*) चोरी और सीनाजोरी करना
(*ii*) चोरी करके बहाने करना
(*iii*) चोरी करके सबूत छिपाना
(*iv*) इधर-उधर भटकना

(च) आकाश-पाताल एक करना–

(*i*) हर संभव प्रयास करना
(*ii*) जोड़-तोड़कर काम बनाना
(*iii*) ऊँचे-ऊँचे स्वप्न देखना
(*iv*) दुस्साहस करना

(छ) ऊँट के मुँह में जीरा–

(*i*) कम वस्तु पाना
(*ii*) ऊँट को जीरा खिलाना
(*iii*) आवश्यकता से कम वस्तु देना
(*iv*) वांछित वस्तु के बदले दूसरी वस्तु देना

(ज) कमर कसना–

(*i*) मारने के लिए तत्पर होना
(*ii*) सावधान रहना
(*iii*) दृढ़ निश्चय करना
(*iv*) किसी कार्य में संलग्न होना

2. निम्नलिखित मुहावरों का सही अर्थ चुनकर लिखिए।

(क) अंधे के आगे रोना–

(*i*) धनी व्यक्ति से विनती करना
(*ii*) निष्ठुर को अपनी व्यथा सुनाना
(*iii*) पश्चात्ताप करना
(*iv*) मूर्ख व्यक्ति से ज्ञान की बातें करना

CamScanner

(ख) कलेजा मुँह को आना–

(*i*) मिचली आना (*ii*) अत्यंत दुखी होना

(*iii*) अत्यधिक घबराना (*iv*) चक्कर आना

(ग) छाती पर पत्थर रखना–

(*i*) मन को समझाकर दुख सह लेना (*ii*) धैर्यपूर्वक अत्यंत दुख सहन करना

(*iii*) मन को समझाना (*iv*) कठिन काम करना

(घ) चाँदी का जूता मारना–

(*i*) घमण्ड में बात करना (*ii*) कड़वी बात करना

(*iii*) अपमानित करना (*iv*) रुपये से सब काम करा लेना

(ङ) बगलें झाँकना–

(*i*) लज्जित होना (*ii*) कुछ न कह पाना (*iii*) बहानेबाज़ी करना (*iv*) आलसी होना

(च) गुड़ गोबर कर देना–

(*i*) बना-बनाया काम बिगाड़ देना (*ii*) काम न बनने देना

(*iii*) बात को बिगाड़ना (*iv*) आग में घी डालना

(छ) छाती पर साँप लोटना–

(*i*) रात दिन चिंता होना (*ii*) ईर्ष्या होना

(*iii*) प्रतिस्पर्धा होना (*iv*) दुख पर दुख आना

(ज) गड़े मुर्दे उखाड़ना–

(*i*) बीती बातों को पुनः सामने लाना (*ii*) मीन-मेख निकालना

(*iii*) पुरानी वस्तुएँ सँभालना (*iv*) शत्रुता का भाव रखना

(झ) कान का कच्चा होना–

(*i*) बहरा होना (*ii*) अविश्वास करना

(*iii*) कम सुनाई पड़ना (*iv*) सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास कर लेना

3. निम्नलिखित मुहावरों का सही अर्थ चुनकर लिखिए।

(क) घी के दीये जलाना–

(*i*) दीपावली मनाना (*ii*) रईसी प्रकट करना

(*iii*) अपने को अन्य से अलग समझना (*iv*) अपनी खुशी व्यक्त करना

(ख) अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना–

(*i*) आत्महत्या करना (*ii*) कालिदास बनना

(*iii*) अनजाने में चोट मारना (*iv*) मूर्खता में अपना नुकसान स्वयं करना

(ग) घाव पर नमक छिड़कना–

(*i*) दुखी व्यक्ति को और दुखी करना (*ii*) बदला चुकाना

(*iii*) ईर्ष्या करना (*iv*) चोट लगने पर आयुर्वेदिक दवा करना

(घ) गेहूँ के साथ घुन भी पिसना–

(*i*) साथ-साथ कष्ट उठाना (*ii*) बड़ों के साथ छोटों का भी कष्ट उठाना

(*iii*) परिवार का विपत्ति में पड़ना (*iv*) दोषी के साथ निर्दोष का भी दंडित होना

(ङ) छठी का दूध याद आना–

(i) माँ की याद आना
(ii) होशहवास उड़ जाना
(iii) कठिन परिश्रम करना
(iv) बचपन की स्मृतियों में खोना

(च) आस्तीन का साँप होना–

(i) जादूगरी दिखाना
(ii) कृतघ्न होना
(iii) किसी का उपकार न मानना
(iv) मित्र के वेश में शत्रु होना

(छ) घर फूँककर तमाशा देखना–

(i) अपनों के बजाय परायों पर खर्च करना
(ii) फूँक-फूँक कर खर्च करना
(iii) अपना नुकसान करके खुशी मनाना
(iv) घर जलने पर भी कंजूसी करना

(ज) ठन-ठन गोपाल होना–

(i) कृष्ण का भजन करना
(ii) सदा मस्त रहना
(iii) निर्धन होना
(iv) दूसरों के सहारे रहना

4. निम्नलिखित मुहावरों का सही अर्थ-चुनकर लिखिए।

(क) तिल का ताड़ बनाना–

(i) अफवाह फैलाना
(ii) सामान्य बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहना
(iii) एक-दूसरे की चुगली करना
(iv) बातचीत में कुशल होना

(ख) लकीर का फकीर होना–

(i) अंधविश्वासी होना
(ii) कोई नया कार्य नहीं करना
(iii) अत्यंत अनुशासन में रहना
(iv) परंपरानुसार चलने वाला

(ग) दाँत-काटी रोटी होना–

(i) कट्टर दुश्मनी होना
(ii) गहरे मित्र होना
(iii) परस्पर ईर्ष्या का भाव रखना
(iv) अपनी योग्यता से धाक जमाना

(घ) गाल बजाना–

(i) बढ़-चढ़कर बातें करना
(ii) अत्यंत प्रसन्न होना
(iii) अपने में मस्त रहना
(iv) दूसरों की हँसी उड़ाना

(ङ) आग में घी डालना–

(i) पुण्य का काम करना
(ii) किसी का उत्साह बढ़ाना
(iii) क्रोधित व्यक्ति का क्रोध और बढ़ाना
(iv) ईर्ष्या में जलना

(च) उल्टी गंगा बहाना–

(i) असंभव कार्य करने का दुस्साहस
(ii) परंपरा के विपरीत कार्य करना
(iii) गंगा को देवी न मानना
(iv) बाएँ हाथ से कार्य करना

CamScanner